

कार्यालय-ज्ञाप

उत्तराखण्ड राज्य भूकम्प, भूस्खलन, बाढ़ व त्वरित बाढ़ आदि आपदाओं के प्रति अति संवेदनशील है। समय-समय पर राज्य में भूकम्प, त्वरित बाढ़ व भूस्खलन से जन-धन व अवसरो की भारी क्षति हुयी है, इस प्रकार इन प्राकृतिक घटनाओं के साथ सामंजस्य रखते हुये एक आपदा सुरक्षित भविष्य की ओर अग्रसर होना राज्य के लिए शीर्ष प्राथमिकता का कार्य है, इस कार्य में राज्य के सार्वजनिक प्रतिष्ठानों, स्वैच्छिक संगठनों, नागरिक संगठनों एवं नागरिकों की समान भूमिका है व सभी को आपदा की घटनाओं के दुष्प्रभावों को न्यूनतम करने के लिए कार्य करने की आवश्यकता है।

दिनांक 16 जून, 2013 को राज्य में आयी भीषण आपदा के दृष्टिगत, इस प्रकार की प्राकृतिक घटनाओं के प्रति जनसाधारण में संवेदनशीलता के विकास, आपदा जोखिमों के प्रति जागरुकता बनाये रखने एवं आपदा के दुष्प्रभावों को न्यून किये जाने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 16 जून को "आपदा न्यूनीकरण एवं आपदा जागरुकता दिवस" के रूप में मनाये जाने का निर्णय लिया गया है।

अतः प्रतिवर्ष 16 जून के दिन आपदा प्रबन्धन एवं न्यूनीकरण के लिए सभी पक्षों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुये विभागीय स्तर पर व आमजनों के लिये समुचित समन्वय स्थापित करने, नीतिगत विषयों पर निर्णय के लिए प्रस्ताव तैयार करने व अन्य सम्यक कार्यक्रमों के आयोजन की कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।

(राकेश शर्मा)
मुख्य सचिव

संख्या- 176()/XVIII-(2)/15-08(11)2014A, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नांकित को आवश्यक कार्यवाही हेतु सूचनार्थ प्रेषित:-

1. अपर मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
2. स्थानिक आयुक्त, उत्तराखण्ड।
3. प्रमुख सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
4. समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. सचिव, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. सचिव, विधानसभा सचिवालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. मण्डलायुक्त, गढ़वाल मण्डल/कुमायूँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
8. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
9. समस्त विभागाध्यक्ष, उत्तराखण्ड।
10. अधिशासी निदेशक, आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबन्धन केन्द्र, देहरादून।
11. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून को समस्त प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशन हेतु।
12. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून को राज्य सरकार की बेबसाइट पर अपलोड किए जाने हेतु।
13. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
(संतोष बड़ोनी)
उप सचिव